दोष	गुण
१. अन्योंके लिए अधिक कष्टदायक सिद्ध होनेवाले दोष	
अ. विध्वंसक वृत्ति	रचनात्मक कार्य करना
आ. झगडालूपन	अन्योंसे सामंजस्य, क्षमाशीलता
इ. गुस्सैल	समझदारी, प्रेमपूर्ण वृत्ति
ई. चिडचिडापन	संयम एवं शान्त आचरण
उ. उद्दण्डता	नम्रता
ऊ. अन्योंको तुच्छ समझना	अन्योंका आदर करना
ए. अन्योंकी निन्दा करना	अन्योंकी प्रशंसा करना, गुणग्राही होना
ऐ. आदरातिथ्य न करना	आदर-आतिथ्यशील होना
ओ. अन्योंको दोष देना	अन्योंकी स्थिति समझ लेना
१. अन्योंके लिए अधिक कष्टदायक सिद्ध होनेवाले दोष	
औ. पूर्वाग्रह रखना	पूर्वाग्रहरहित होना, निरन्तर वर्तमानकालमें रहना
अं. हठ	दूसरोंसे सामंजस्य, सुननेकी वृत्ति होना, परेच्छासे आचरण करना, नकारात्मक मत न बनाना
क. लहरीपन	नियमितता, निश्चितता, निरन्तरता
ख. समयका पालन न करना	समयका पालन करना
२. स्वयंके लिए अधिक कष्टदायक सिद्ध होनेवाले दोष	
अ. द्वेष होना	अन्योंके प्रति प्रशंसाका भाव, अन्योंसे सीखनेकी वृत्ति होना, निर्लोभी होना
आ. मत्सर होना	अन्योंके प्रति प्रशंसाका भाव, मत्सर न होना, दूसरेको प्रोत्साहन देना, बैरभाव न होना
इ. सन्देही वृत्ति	नि:संशय, सन्देह न करना, सुरक्षितताकी भावना होना, दूसरोंपर विश्वास करना
ई. गर्विलापन	नम्रता
उ. घमण्डीपन	घमण्ड न होना, विनयशीलता
ऊ. झूठ बोलना	सत्य बोलना
ए. सत्यनिष्ठाका अभाव	सत्यनिष्ठा
ऐ. कृतघ्नता	कृतज्ञ रहना
ओ. पश्चात्ताप न होना	पश्चात्ताप होना, खेद होना
२. स्वयंके लिए अधिक कष्टदायक सिद्ध होनेवाले दोष	
औ. भावनाशीलता	दृढता, स्थिरता
अं. गम्भीरताका अभाव	गम्भीरता होना, महत्त्व समझना
क. नियोजनका अभाव	नियोजनबद्धता
ख. भुलक्कडपन	ध्यानमें रखकर करना
ग. उतावलापन	धैर्य रखना, संयम
घ. हडबडी	ध्यानपूर्वक कृति करना
च. असावधानी	ध्यानपूर्वक कृति करना
छ. डरपोक	निडर, साहसी, संघर्ष करनेकी वृत्ति
ज. अनुत्तरदायी	उत्तरदायित्वसे आचरण करना
झ. कर्तव्यका पालन न करना अथवा कर्तव्यच्युत	कर्तव्यपालन करना अथवा कर्तव्यदक्षता
ट. मन लगाकर काम न करना अथवा कामचोरी करना	मन लगाकर काम करना
ठ. अपव्ययिता, उडाऊ	मितव्ययिता
ड. मनोराज्यमें रमना	वस्तुस्थितिका विचार करना, निरन्तर वर्तमानकालमें रहना
ढ. अमिलनसार	संघप्रियता, मिलनसार
ण. दूसरोंकी चूकें देखना	अपनी चूकोंकी ओर ध्यान देना, टीका-टिप्पणी न करना
त. आज्ञापालन न करना	आज्ञाधारिता
थ. लाज लगना	नि:संकोचता, साहस (जनसमुदायके सामने बोलनेके सन्दर्भमें)
द. अव्यवस्थितता	व्यवस्थितता
३. स्वयंके लिए अल्प कष्टदायक सिद्ध होंगे, ऐसे दोष	
अ. आलस्य	तत्परता, उद्योगशीलता
आ. एकाग्र न होना	एकाग्र रहना
इ. आत्मविश्वासका अभाव	आत्मविश्वास रहना
ई. निर्णयक्षमताका अभाव	निर्णयक्षमता रहना
उ. नेतृत्व न लेना	नेतृत्व लेना, संकोच न करना, पीछे न हटना, न डगमगाना
ऊ. लगनका अभाव	लगन रहना
ए. अनावश्यक बोलना	मितभाषी रहना, आवश्यकताके अनुसार बोलना
ऐ. स्वार्थीपन	नि:स्वार्थीपन, परोपकारी वृत्ति
ओ. संकीर्णता	व्यापकता
औ. आत्मकेन्द्रित होना (केवल अपना विचार करना)	दूसरोंका विचार करना अथवा व्यापकता
अं. अपनी वस्तुएं अन्योंको न देना	दानशील होना, त्यागी होना
क. दान न करना	दानशील होना, उदारता
ख. दूसरोंके प्रति कुछ न लगना	दूसरोंके प्रति आस्था होना, स्नेहभाव, प्रीति (निरपेक्ष प्रेम)

© Sanatan Sanstha